डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 95 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 17 जनवरी 2025 | मूल्य 2 रुपया

पार्षद के घर चोरी करने वाला पड़ोसी प्लम्बर ही निकला..!

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका के पार्षद के घर चोरी के मामले में पुलिस ने उसी के पडोसी और प्लम्बर का कार्य करने वाले को पकडा हैं। उसकी निशांदेही और कब्जे से चोरी गया माल भी पुलिस ने बरामद कर लिया हैं।

मिली जानकारी के अनुसार बीती 09 जनवरी को नपा के पार्षद शैलेन्द्र गिरी गोस्वामी के चंद्रपुरा ओखा बावजी परिसर में स्थित घर से चोरी हो गई थी। उन्होंने पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस जांच में ज्यादा कुछ नहीं मिला तो पार्षद पुत्र ने मोर्चा संभाला। उन्होंने संभावित आरोपी प्लम्बर घनश्याम गौतम के फोटो वाइरल किये और अगले ही दिन एक व्यक्ति का फोन आया कि यह आदमी सदर बाजार स्थित विशाल ज्वेलर्स के यहां कडा बेचने आया था। जब पुलिस को यह जानकारी दी तो प्लम्बर को फिर से बुलाया गया। उसने स्वीकार किया कि चोरी उसने की थी। हालांकि, मजे की बात यह हैं कि परिवार ने जो बात कही उसने वही स्वीकार किया। बाकी कुछ नहीं बता रहा हैं। जानकारी के अनुसार सोने की एक जोड झुमकी को छोडकर चोरी गया सारा माल मिल गया हैं।

बोलने से पहले और बोलने के बाद राहुल की स्थिति...

भोपाल, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। वह शख्स यकीनन घाघ होने की हद तक चतुर है, जो राहुल गांधी के लिए वैचारिक खुराक का बंदोबस्त करता है। वो लोग

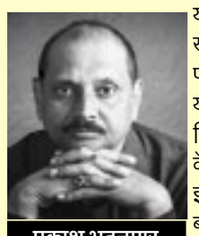

प्रकाश भटनागर

यकीनन तरस खाने की हद तक मजबूर हैं, जो इस खुराक से हुई वमन वाली प्रक्रिया की सफाई के लिए पाबंद किए गए हैं। इसका विस्तार आगे करेंगे। पहली बात यह कि कांग्रेस के बेहद थिक (मोटी) चमडी वाले स्वयंभू थिंक टैंक राहुल गांधी ने एक बार फिर वक्ता और विचारक के रूप में अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया है। इंडियन स्टेट के खिलाफ संघर्ष वाली राहुल की बात बताती है कि कांग्रेसजनों के इन बिन ब्याहे पिताश्री की अक्ल आज भी रह-रहकर उनसे अलग उस जगह चली जाती है, जहां चारों तरफ भरपूर घास का प्रबंध रहता है।

जरा सोचिए भारतीय राज्य के खिलाफ ही युद्ध जैसी यह बात उस पार्टी का कर्णधार कर रहा है, जो पार्टी यह कहते हुए थकती नहीं है कि उसने देश को स्वतंत्र कराने के लिए लंबी लडाई लडी। जो रोज संविधान को हाथ में लेकर घूमते हुए उसकी रक्षा की सौगंध खा रहे हैं। इस कथन के चलते राहुल के लिए किसी संबोधन की तलाश में अपनी कलम गंदी किए जाने से बेहतर है कि इसके निहितार्थ तलाशे जाएं। पूरी फिक्र के साथ यह समझना बहुत जरूरी है कि तीन भूतपूर्व प्रधानमंत्रियों और तीन वर्तमान सांसदों वाले परिवार के इस चश्मो-चिराग की नीयत क्या है और वह देश को किस नियति की तरफ धकेलने की मंशा रख रहा है?

यदि आप सत्ता में आने के लिए देश से ही जंग लडने के मंसूबे पाल रहे हैं तो फिर यह मामला दिमागी जंग वाला कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। हर बात इस तर्क और स्थापित तथ्य की आड में खारिज नहीं की जा सकती कि राहुल अक्लमंद होने की बजाय मंद अक्ल की स्थिति का शिकार होकर आएं-बाएं-शाएं कुछ भी बोल जाते हैं। भाजपा और कांग्रेस के आम तौर पर खिलाफ रही भारतीय कम्युनिस्ट पार्टियों ने भी आज तक कुछ ऐसा नहीं कहा, जो राहुल कह गए हैं। यकीनन कांग्रेस का पंजा आज वामपंथ से आगे नक्सलवादी लकीरों से सन चुका है। इस पार्टी में कांग्रेसजनों की जगह कॉमरेडों का कब्जा हो चुका है। शायद इसीलिए राहुल नए मुल्ले की तर्ज पर दनादन प्याज खाने की शैली में वह कहे और किए जा रहे हैं, जिसे लाल सलाम वालों ने भी खुलकर कहने और करने में हमेशा ही परहेज किया है।

यहीं से उस शख्स की बात आती है जो घाघ होने की हद तक चतुर होकर राहुल गांधी के लिए बयान लिखता/सुझाता है। वो इंसान अपनी विचारधारा का इस देश और लोकतंत्र के खिलाफ बेहद घातक एजेंडा लेकर आगे बढ रहा है। वह जानता है कि संघ, भाजपा और मोदी के विरोध में जुबान पर मिर्ची रखकर घूम रहे राहुल के मुंह में कोई भी बात रख दो, वो उसे खुद ही ऐसा तडका लगा देंगे, जिससे एजेंडे वाले विषय को भरपूर तरीके से विषैला रूप मिल जाएगा। ऐसा ही हो भी रहा है। ऐसा होने का राहुल पहले भी कई बार व्यावहारिक रूप से परिचय दे चुके हैं।

खैर, राहुल की बेचारगी पर भी सहानुभूति के साथ विचार किया जाना चाहिए। वे मानसिक रूप से बेहद शोचनीय अवस्था के शिकार हैं। वह इंसान कमजोर है, जिसकी अपनी कोई विचारधारा नहीं है, लेकिन वह इंसान तो राहुल ही हो सकता है, जिसके सिस्टम में विचार प्रक्रिया वाली मशीन तो दूर, उसका बटन तक नहीं है। किसी सामान्य दिखने वाले, पढे-लिखे और संभ्रांत परिवार के व्यक्ति के साथ कुदरत ऐसा मैन्यूफैक्चरिंग डिफेक्ट वाला अत्याचार कर सकती है, यह सोचकर मुझे राहुल से पूरी सहानुभूति हो रही है। सहानुभूति उनसे भी, जिनका शुरू में उल्लेख हुआ। वो लोग, जो दिल से कांग्रेस से जुडे हैं और उन्हें रह-रहकर उस दलदल में उतरना पडता है, जहां राहुल के ऐसे कहे और किए की खतरनाक कीचड को हलुए के रूप में जस्टिफाई करने की बडी चुनौती से जूझना होता है। पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी ने लिखा था, 'बुद्धिमान कहने से पहले सोचता है और मूर्ख कहता पहले और सोचता बाद में है।' चुनावी मौसम में खुद को सनातनी बताने की विवशता के बीच शायद कभी यह सद्वाक्य राहुल ने भी पढा/सुना होगा। लेकिन उन्होंने इसे सिरे से खारिज कर दिया होगा। क्योंकि वो तो ऐसे शख्स हैं, जो न बोलने के पहले और न ही बोलने के बाद सोचते हैं। आचार्य जी अब इस दुनिया में नहीं हैं। वरना बहुत संभव था कि राहुल को देखने और सुनने के बाद वे अपने कहे में संशोधन करते।

आदेश आए तो याद आई प्रतिभाएं..!

शिक्षा विभाग की क्रीड़ा शाखा के पास खिलाड़ियों का रिकॉर्ड ही नहीं, अब मंगवाई जा रही जानकारी

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने खेलों के प्रति छात्र-छात्राओं की रुचि बढ़ाने के लिए बोर्ड परीक्षा देने वाले परीक्षार्थियों के लिए 10 अंक बोनस के रूप में देने का प्रावधान किया है। बोनस के रूप में यह अंक सिर्फ उन्हीं खिलाड़ियों को दिए जाएंगे, जिन्होंने इसी वर्ष 10वीं व 12वीं में अध्ययनरत रहते हुए स्टेट व नेशनल लेवल टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। लेकिन, जिले में पढ़ने वाली राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय खिलाड़ियों की सूची ही शिक्षा विभाग की क्रिडा शाखा के पास नहीं है। खिलाड़ियों का कोई रिकॉर्ड ही नहीं तैयार किया गया है। हालांकि अब जब खिलाड़ियों की सूची मांगी गई तो शिक्षा विभाग के अधिकारी हरकत में आए और विकासखंड अधिकारियों से सूची

मंगवाई गई है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 10वीं और 12वीं की परीक्षा में शामिल होने वाले खिलाड़ी विद्यार्थियों की सूची मंगाई है, जिन्होंने मंदसौर जिले से किसी भी खेल विधा में राज्य स्तर या राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताओं में भाग लेकर जीत हासिल की हो। ऐसे खिलाड़ी परीक्षार्थियों को बोर्ड बोनस के 10 अंक प्रदान करेगा, जो परीक्षार्थी की अंकसूची में जुड़कर आएंगे। बोर्ड के अनुसार खिलाड़ियों को मिलने वाले बोनस अंक अंकसूची में अलग से लिखे जाएंगे। जिसमें लिखा होगा कि उक्त छात्र को राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर खेलने पर 10 अंक बोनस रूप में दिए गए हैं। इन अंकों का फायदा संबंधित छात्र को शासकीय नौकरी या फिर किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में जोड़े जाएंगे। जो उसका कॅरियर बनाने में मदद करेंगे। लेकिन, जिला शिक्षा कार्यालय से राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर खेले खिलाड़ियों की कोई सूची अब तक भोपाल के लिए नहीं भेजी जा सकी है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि आदेश अब मिला है। सूची तैयार की जा रही है।

विद्यार्थियों से हर साल वसूल रहे क्रीड़ा शुल्क...

कक्षा 11 व 12 के छात्रों से क्रीडा शुल्क के रूप में सरकारी स्कूल 200 रुपए का शुल्क जमा कराते हैं। कक्षा 9 व 10 के विद्यार्थियों से क्रीडा शुल्क 120 रुपए जमा कराए गए। क्रीडा शुल्क की राशि में से 11वीं व 12वीं के विद्यार्थियों का 120 रुपए स्कूल से जिला शिक्षा कार्यालय व संयुक्त शिक्षा कार्यालय को भेजा जाता है। 9वीं व दसवीं के छात्रों के जमा क्रीडा शुल्क में से 72 रुपए डीईओ व जेडी के लिए भेजे जाते हैं। लाखों रुपए क्रीडा शुल्क वसूलने के बाद स्कूल के पास खेल गतिविधियों के नाम पर कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि स्कूल शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर की गतिविधियों के आयोजन स्कूल स्तर पर औपचारिक रूप में होते हैं।

जिले के सिर्फ इन स्कूलों में खेल शिक्षक...

जिले में करीब 100 से अधिक हायर व हाई स्कूल हैं, जिनमें से सिर्फ आठ स्कूल में क्रीडा शिक्षक पदस्थ हैं। इसके अलावा इस साल कुछ अतिथि खेल शिक्षकों की भर्ती हुई है। स्कूलों में खेल शिक्षक नहीं होने के कारण पढाई के अलावा खेल गतिविधियां शून्य होती जा रही है और खेल गतिविधियों का लाभ परीक्षा में नहीं मिलने के कारण रुचि कम होती जा रही है।

इनका कहना...

शासन द्वारा राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय खिलाड़ियों की सूची मांगी गई है। विकासखंड क्रीड़ाधिकारियों से यह जानकारी ली जा रही है।

बंशीलाल बारीवाल, क्रीडाधिकारी, जिला शिक्षा विभाग मंदसौर

दहेज लोभी सास-ससुर को एक साल की सजा

मनासा, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मनासा, कैंप रामपुरा ने दहेज प्रताड़ना के एक मामले

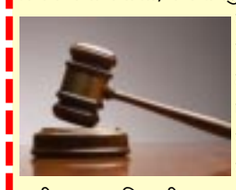

में फैसला सुनाया है। अदालत ने बहू से दहेज की मांग और मारपीट के दोषी पाए गए सास-ससुर को एक साल की सजा और 1 हजार रुपए जुर्माना लगाया है। अदालत ने राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के बारी दरवाजा निवासी अब्दुल रज्जाक और उनकी पत्नी शमीम बानो को एक-एक साल का सश्रम कारावास और 1 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। इसके अलावा दोनों को धारा 323/34 के तहत छह-छह माह का सश्रम कारावास और 1000-1000 रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है।

ग्यारह साल बाद आया फैसला...

पीड़िता निखत परवीन उर्फ सोना का निकाह 2010 में वकार युनुस के साथ जमालपुरा में हुआ था। शादी के बाद एक बेटे का जन्म भी हुआ। कुछ समय बाद से ही सास-ससुर और पति पीडिता से एक लाख रुपए दहेज मांग करने लगे। वे इसके लिए उसके साथ मारपीट भी करते थे। प्रताडना से परेशान होकर पीडिता ने 2013 में आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद अदालत ने सभी सबूतों और गवाहों के आधार पर सास-ससुर को दोषी पाते हुए उन्हें सजा सुनाई।

युवती के नाम से इंस्ट्राग्राम आईडी बनाकर रिश्तेदारों को भेजे अश्लील मैसेज, प्रकरण दर्ज

सीतामऊ, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र के दलावदा निवासी युवती के नाम पर इंस्टाग्राम पर फर्जी अकाउंट बनाकर उस आईडी से युवती के परिचितों और रिश्तेदारों को अश्लील मैसेज भेजने का मामला सामने आया हैं। प्रकरण में सीतामऊ पुलिस ने सीतामऊ के अरगडा बस्ती निवासी फैजान हुसैन और अयान खान को गिरफ्तार किया हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक फैजान और अयान द्वारा युवती के नाम से इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया गया और उसी आईडी से युवती के परिचित मित्रों और रिश्तेदारों को अश्लील संदेश भेजे गए। जब युवती के रिश्तेदारों को इस तरह के अश्लील संदेश गए तो खबर युवती के परिजनों तक पहुंची। तब पूरे मामले का खुलासा हुआ। युवती ने परिजनों ने साथ सीतामऊ थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई। जिसके बाद पुलिस सक्रिय हुई और पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जैल भेज दिया। इधर मामले की जानकारी लगते ही हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता पुलिस थाने पर एकत्रित हुए और आक्रोश व्यक्त किया। बजरंग दल जिला संयोजक अनिल धनगर ने बताया की सीतामऊ क्षेत्र में इस तरह के कई गिरोह सक्रिय हैं जो बहन बेटियों के नाम पर सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाकर उससे अश्लीलता फैला रहे हैं। बहन बेटियों को बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। हर युवती पुलिस थाने नहीं पहुंच पाती हैं। लेकिन, पुलिस को सक्रिय होकर इस तरह के लोगों पर कार्यवाही करना चाहिए, ताकी युवतिया और महिलाए बदनामी से बच सके।

बोट में सवार हथियारों से लेस लोगों ने की फायरिंग, सोशल मीडिया पर वायरल हुई खबर!

पिपलियामंडी, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार सुबह नाहरगढ थाना क्षेत्र के गांव जवानपुपरा स्थित चम्बल नदी में बोट में सवार हथियारों से लैस कुछ लोगों के फायरिंग करने की खबर सोशल मीडिया पर वायरल हुई। बोट में सवार फायर करने वाले शिकारी, मछली ठेकेदार या तस्कर हो सकते है ? हालांकि इसको लेकर पुष्टिनही हो पाई। उल्लेखनीय है कि नाहरगढ थाना क्षेत्र में चोर, लूटेरों के साथ ही चम्बल नदी क्षेत्र में गिरोह गैंगवार भी शुरु हो गई है। मामले को लेकर टीआई प्रभात गौड़ से मोबाइल नम्बर 6260051227 पर लगातार कॉल की, लेकिन उन्होंने कॉल रिसिव नही की।

बाइक सहित पानी में गिरे दंपती, लोगो ने निकाला

सुवासरा, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। रुनिजा रोड़ पर एक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क से से सीधे खाई में भरे पानी में गिर गई। जिससे बाइक सवार घायल हो गए। मौके पर लोगो ने दोनो को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा। मिली जानकारी के अनुसार दंपती डग राजस्थान की और जा रहे थे। इसी दौरान सुवासरा-रुनिजा रोड पर बाइक अनियंत्रित होकर सड़क से उतरी और खाल में भरे पानी में जा गिरी। इसके बाद लोगों ने दंपती को बाहर निकाला। उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया।

मारपीट के आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया तो आंदोलन, पेट्रोल पंप चौराहे पर चक्काजाम

सुवासरा, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। बजरंग दल के कार्यकर्ता से मारपीट के आरोपियों पर पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने के विरोध में गुरुवार को हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने पुराने बस स्टैंड पर चक्का जाम कर दिया। बाद में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया तो चक्का जाम खत्म हुआ। लेकिन, पकडे गए आरोपियों का जुलूस निकालने की मांग को लेकर एक बार फिर पेट्रोल पंप चौराहे पर सैकडो लोगों ने चक्काजाम कर दिया। हालांकि बाद में पुलिस की समझाइश के बाद चक्काजाम समाप्त हो गया।

जानकारी के मुताबिक बुधवार को समुदाय विशेष के कुछ युवकों ने एक युवक के साथ मारपीट की थी। इस पूरे मामले की शिकायत सुवासरा पुलिस को की गई थी। लेकिन, घटना के 24 घंटे बाद भी पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसके चलते गुरुवार की शाम को हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया और उन्होंने पुराना बस स्टैंड पर चक्काजाम कर दिया। चक्काजाम के बाद पुलिस हरकत में आई और घटना से जुड़े दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया। चक्का जाम कर रहे हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी दी। जिसके बाद एक बार तो चक्काजाम समाप्त हो गया। लेकिन, हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने आरोपियों का जुलूस निकालने की मांग की और एक बार फिर पेट्रोल पंप चौराहे पर चक्का जाम कर दिया। चक्का जाम से मार्ग के दोनों तरफ बडी संख्या में वाहनों की कतार लग गई। करीब 1 घंटे से भी ज्यादा समय तक रहे चक्का जाम के चलते पुलिस के आला अधिकारी भी सतर्क हुए और आक्रोशित लोगों से चर्चा कर चक्का जाम समाप्त करवाया।

मौसम: बादल छाए रहने की संभावना

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार को भी आसमान में बादल छाए रहे, ठंडी हवा चलती रही। जिससे ठंड के असर में कोई कमी नहीं आई।

मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को जिले का अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस से ऊपर और न्यूनतम तापमान 09 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। कुछ इलाकों में कोहरे के साथ शीतलहर का प्रकोप जारी रहेगा। हल्की बूंदाबांदी की भी संभावना है। आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे और दोपहर में हल्की धूप निकलने की उम्मीद है।

पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव...

मौसम वैज्ञानिक प्रकाश धामले ने बताया कि गुरुवार 16 जनवरी को पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता का प्रभाव प्रदेश के पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्रों में देखने को मिला। आज 17 जनवरी के बाद मौसम साफ होने के साथ ही ठंड का प्रकोप और बढने की संभावना है। विशेष रूप से 18 जनवरी से एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होने का अनुमान है, जिससे बर्फीली हवाओं की गति बढ़ेगी और पूरा प्रदेश कडाके की ठंड की चपेट में आ जाएगा। वर्तमान में लोग अलाव जलाकर ठंड से राहत पाने का प्रयास कर रहे हैं।

आज भी स्कूलों की छुट्टी

कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूलों में नर्सरी से लेकर कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 16 और 17 जनवरी को अवकाश घोषित किया है। जिला शिक्षा अधिकारी लोकेंद्र डाबी की ओर से जारी आदेश के अनुसार, जिले में तापमान 7 डिग्री से नीचे पहुंचने और मौसम की प्रतिकूल स्थिति को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

गुरुवार को भी पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहे और कई क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी भी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार आगामी दो से तीन दिनों तक कड़ाके की ठंड जारी रहने की संभावना है। इस स्थिति को देखते हुए छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर यह अवकाश घोषित किया गया है। स्कूल अब कल अर्थात शनिवार से नियमित समय पर संचालित होंगे।

बसों में कैसे सुरक्षित रहें महिलाएं..!

❊ पैनिक बटन ही नहीं, जिम्मेदार भी लापरवाह ❊राजस्थान रोडवेज की बसो में हो रहा नियमों का पालन

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। बसो में महिलाओं की सुरक्षा के साथ ही अन्य यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के मद्देनजर प्रदेश की बसों में पैनिक बटन लगाना अनिवार्य किया जा चुका है। किन्तु, हालात ये हैं कि बस स्टैंड से संचालित होने वाली बसों में से साठ फीसदी से अधिक में पैनिक बटन नहीं लगे हैं। जिनमें हैं वो चालू हैं या बंद, इसका किसी को पता नहीं। यहां तक कि बटन काम कैसे करता है और कहां लगा है, इसकी जानकारी भी यात्रियों को नहीं है। ऐसे में परिवहन विभाग के आदेश का पालन नहीं हो रहा। इधर आरटीओ की कार्रवाई भी सिर्फ चालान और परमिट तक सीमित है। बता दें कि फिटनेस कराने से पहले बसों में जीपीएस और पैनिक बटन लगाना अनिवार्य है। चूंकि इसमें खर्च अधिक आता है जिसके कारण कई संचालक इसे वाहनों में लगाने से बच रहे हैं। जबकि, राजस्थान रोडवेज की बसों में पैनिक बटन मौजूद है।

उल्लेखनीय है कि प्रतिदिन मंदसौर के दोनों बस स्टैंड से 250-300 यात्री बसों का संचालन होता है। जो बसें नई हैं या लंबे रूट की हैं, उनमें तो संचालकों ने पैनिक बटन लगवा रखे हैं। जो बसें कम दूरी की हैं और पुरानी हैं, उनकी हालत खस्ता है। जीपीएस और पैनिक बटन लगवाने में 10 - 15 हजार रुपए का खर्च आता है। यात्री बस के फिटनेस सर्टिफिकेट के लिए पैनिक बटन होना जरूरी है। खर्चे के डर से बसों सहित अन्य वाहन मालिक फिटनेस नहीं कराते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बसों का संचालन करते रहते हैं। वहां आरटीओ या ट्रैफिक पुलिस की पहुंच न के बराबर होती है। किसी यात्री बस में इस संबंध में न तो सार्वजनिक सूचना लिखवाई है और न ही यात्रियों को कभी इस विषय में जागरूक किया। मंदसौर से जावरा जा रहे यात्री रामचंद्र शर्मा से जब पैनिक बटन के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि यह क्या होता है, उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।

कुछ ही बसों में दो दरवाजे...

सभी रूट पर चलने वाली यात्री बसों में दो दरवाजे होना चाहिए। यहां तो गिनती की बसो में ही आगे - पीछे अर्थात दो दरवाजे है। ज्यादातर सिंगल डोर वाली बसों का ही संचालन हो रहा है। बस संचालको ने प्रशासन की आंखों में धूल झोंकने के लिए तो दूसरा दरवाजा बना रखा है। लेकिन, उसकी जगह पर सीट फंसा रखी है। जब व्यापक अभियान चलता है तो इन सीटों को हटा लिया जाता है और बाद में फिर वापस लगा देते हैं। इधर पैनिक बटन नहीं लगे होने के कारण कई बसों की ट्रैकिंग नहीं हो पा रही है।

इंस्पेक्टर को दे रखा आरटीओ का चार्ज...

परिवहन विभाग में सेटिंग से सभी काम होने का दावा आरटीओ दलाल करते है। लेकिन, विभाग में भी सेटिंग से ही ट्रांसफर और पोस्टिंग के साथ ही मनचाहा पद भी पाया जा सकता है। इसका उदाहरण मंदसौर के अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के रूप में देखा जा सकता है। उनका पद इंस्पेक्टर का है। लेकिन, अधिकारी बने बैठे है। आश्चर्य इस बात का है कि यह मंदसौर में लंबे समय तक बाबु बनकर पदस्थ रहे। जब इंस्पेक्टर के रूप में पदोन्नती हुई तो फिर अधिकारी बनकर मंदसौर आ गए।

इस काम आता है पैनिक बटन...

पैनिक बटन एक ऐसा डिवाइस होता है जिसे आपातकाल की स्थिति में दबाया जाता है। यह बटन, सुरक्षा कर्मियों, पुलिस, या केंद्रीय निगरानी स्टेशन (सीएमएस) को अलर्ट भेजता है। पैनिक बटन का इस्तेमाल कई तरह के माहौल में किया जा सकता है। बसों में भी पैनिक बटन लगवाने के निर्देश है। जिससे आपातकालीन स्थिति में महिला या अन्य पीड़ित इसे दबाकर मदद मांग सके।

विचार-मंथन

कुंभ में हर मोर्चे पर इंतजाम...

प्रयागराज के त्रिवेणी संगम का समूचा इलाका अब कुंभ मेले से गुलजार हो चुका है और पहले दिन वहां से लगभग डेढ़ करोड़ लोगों के स्नान करने की खबर आई। मेला स्थल के आसपास एक बड़े हिस्से में जितनी तादाद में तंबू लगाए गए हैं, उसमें इतनी बड़ी संख्या में लोगों के टिकने की व्यवस्था है, जो किसी शायद किसी छोटे देश की आबादी से भी ज्यादा हो। जाहिर है, इसके साथ ही सबसे बड़ी चुनौती और जिम्मेवारी सरकार के सामने है कि वह इस मेले में व्यवस्थागत इंतजामों के मोर्चे पर कितनी चौकस है और वहां पहुंचने वाले लोगों को कितनी सुविधा होती है। यों, करीब डेढ़ महीने तक चलने वाले कुंभ मेले को ज्यादा से ज्यादा सहज बनाने के लिए हर स्तर पर बेहतर व्यवस्था करने की जैसी खबरें आई हैं, उससे उम्मीद बंधती है कि इस बार साधु-संतों से लेकर श्रद्धालुओं तक को कोई दिक्कत नहीं होगी। फिर भी करोड़ों लोगों की मौजूदगी की वजह से जैसे हालात पैदा होंगे, उसमें सब कुछ को ठीक बनाए रखने के लिए हर स्तर पर बहुत ज्यादा चौकसी की जरूरत होगी। इसके मद्देनजर इस बार सरकार ने न केवल प्रशासनिक स्तर पर भीड़ प्रबंधन को लेकर बेहतर तौर-तरीके आजमाने का दावा किया है, बल्कि लोगों की सुरक्षा और सेहत की देखभाल के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल भी हर जगह किया गया है। मसलन, पिछले कुछ समय से सुर्खियों में आई कृत्रिम मेधा यानी एआइ मेले की व्यवस्था को कई स्तर पर सहज और सुरक्षित बनाने में मददगार साबित हो रही है। बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ के प्रबंधन के लिए एआइ से लैस कैमरे, ड्रोन और मोबाइल ऐप से निगरानी का सहारा लिया जाएगा। इसके अलावा, प्रशासनिक चौकसी के बीच ड्रोन शो के साथ-साथ आभासी तकनीकी के जरिए गंगा आरती और दूसरे कार्यक्रमों को देखने की भी सुविधा है, ताकि अराजकता जैसी स्थिति न पैदा हो। कहा जा सकता है कि करोड़ों लोगों की कुंभ यात्रा को कामयाब बनाने के लिए सरकार और प्रशासन ने मोर्चा थामा हुआ है, मगर यह भी सच है कि आपात स्थिति का अंदाजा किसी को नहीं होता और पूर्व तैयारी की जरूरत इसीलिए होती है। यह जगजाहिर हकीकत रही है कि धार्मिक स्थलों पर किसी छोटी लापरवाही से कई बार जैसी अव्यवस्था उत्पन्न हो जाती है, उसका लोगों को बड़ा खमियाजा उठाना पड़ता है। इसलिए संसाधनों के व्यापक इंतजाम का सवाल एक ओर होता है और उनके ठीक समय पर कारगर तरीके से इस्तेमाल का मामला दूसरी ओर। इसी पर बहुत कुछ निर्भर करता है कि सुरक्षा व्यवस्था किस हद तक उपयोगी साबित हुई। कुंभ जैसे बड़े आयोजनों के दौरान एक दुखद पहलू यह भी रहा है कि मेले में कई बार बच्चों के गुम होने और परिवार के लोगों के एक दूसरे से बिछड़ जाने की कई शिकायतें दर्ज की जाती हैं। तमाम सुरक्षा व्यवस्था और आधुनिक तकनीकी के इस्तेमाल का लाभ तभी है, जब किसी गंभीर समस्या के सामने आने पर उसका ठीक समय पर हल निकले। आम श्रद्धालु वहां संगम में डुबकी लगाने आते हैं और उनके साथ मेले को देखने से लेकर धर्म और आस्था से जुड़ी तमाम तरह की उम्मीदें होती हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि करोड़ों लोगों के जमावड़े से उत्पन्न स्थिति का प्रबंधन और कामयाबी से उसे संभाल ले जाना एक बहुत बड़ी जिम्मेवारी है, मगर इस वर्ष कुंभ में हर मोर्चे पर जैसे इंतजाम किए गए हैं, उसमें उम्मीद की जा सकती है कि आस्था की डुबकी श्रद्धालुओं के लिए एक सुखद अनुभव साबित होगी।

कक्षा 5 और 8 में डिटेंशन सिस्टम को फिर से लागू करना समय की मांग

डॉ. जी जगन मोहन राव

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पना की गई है कि स्कूली शिक्षा में मौजूदा 10+2 संरचना को 3 से18 वर्ष की आयु को कवर करते हुए 5+3+3+4 की नई शैक्षणिक और पाठ्यचर्या संरचना के साथ संशोधित किया जाएगा। वर्तमान में, 3 से 6 आयु वर्ग के बच्चे 10+2 संरचना में शामिल नहीं हैं, क्योंकि कक्षा 1 6 वर्ष की आयु से शुरू होती है दोनों मिलकर 3 से 8 वर्ष की आयु को कवर करते हैं। प्रारंभिक चरण, कक्षा 3 से 5 जो 8 से11 साल की आयु को कवर करती है। मध्य चरण में कक्षा 6 से 8 जो 11 से14 साल की आयु को कवर करती है और माध्यमिक चरण - कक्षा 9 से12 दो चरणों में, यानी पहले चरण में 9 और 10 तथा दूसरे चरण में 11 और 12 जो 14 से18 साल की आयु को कवर करती है। नीति में छात्र विकास के लिए मूल्यांकन प्रक्रियाओं में परिवर्तन की परिकल्पना की गई है। जबकि कक्षा 10 (एसएससी) और 12 (इंटरमीडिएट) के लिए बोर्ड परीक्षाएं जारी रहेंगी, ताकि छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और पूरी स्कूली शिक्षा प्रणाली के लाभ के लिए न केवल कक्षा 10 और 12 के अंत में, बल्कि पूरे स्कूली वर्षों में प्रगति को ट्रैक किया जा सके। सभी छात्र कक्षा 3, 5 और 8 में स्कूली परीक्षा देंगे, जो उपयुक्त प्राधिकारी (बोर्ड) द्वारा आयोजित की जाएगी। चरण 8 के अंत में केवल कुछ ही छात्रों में अपेक्षित योग्यताएं होती हैं, जबकि बड़ी संख्या में छात्रों में साक्षरता और अंकगणित में योग्यताएं नहीं होती हैं।

उपलब्धि स्तर में अंतर अप्रभावी पाठ्यक्रम संचालन और नो डिटेंशन सिस्टम के कारण है। इस संदर्भ में कुछ संशोधनों के साथ चरण 5 और 8 में डिटेंशन सिस्टम शुरू करने की परिकल्पना की गई है। 1966 में कोठारी आयोग की रिपोर्ट ने संकेत दिया था कि धीरे-धीरे स्कूल स्तर पर डिटेंशन की प्रणाली को समाप्त किया जाना चाहिए, और इसकी जगह कक्षा में शिक्षण और मूल्यांकन के एक नए पैटर्न को अपनाया जाना चाहिए। यह स्कूल स्तर पर डिटेंशन को वास्तव में अप्रासंगिक और अनावश्यक बना देगा। भले ही कोठारी आयोग ने कक्षा1 के स्तर पर डिटेंशन को समाप्त करने का सुझाव देकर इस पर काफी सावधानी बरती थी, जहां वित्तीय, समाजशास्त्रीय और शैक्षणिक जैसे विभिन्न कारणों से ठहराव और बर्बादी की घटना सबसे अधिक थी। आंध्र प्रदेश सरकार ने इससे भी आगे बढ़कर प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के पूरे दायरे में डिटेंशन सिस्टम को समाप्त कर दिया। केवल दो स्तरों पर डिटेंशन के सिद्धांत को बरकरार रखा, अर्थात 7वीं कक्षा जो प्राथमिक शिक्षा में अंतिम बिंदु है और माध्यमिक शिक्षा में 10वीं कक्षा। आंध्र प्रदेश सरकार ने 27 नवंबर1971 के जी.ओ. एम.एस. संख्या 1781 के तहत गतिरोध और वेस्टेज की समस्याओं को दूर करने के लिए नई विकास नीति शुरू की। कक्षा 7 और 10 को छोड़कर सभी कक्षाओं में डिटेंशन सिस्टम को समाप्त कर दिया गया और निरंतर और व्यापक शिक्षा की एक नई नीति शुरू की गई। नई प्रक्रिया में शामिल व्यापक प्रक्रिया नीचे दी गई है। नई नीति के अनुसार, शिक्षकों को परीक्षण तैयार करने होंगे, जिसमें परिभाषित विशिष्ट उद्देश्यों के आधार पर मौखिक, लिखित और व्यावहारिक पहलू शामिल होंगे। परिणामों को दो महत्वपूर्ण अभिलेखों, अर्थात प्रगति कार्ड और संचयी रिकॉर्ड में व्यवस्थित रूप से दर्ज किया जाना है। होम असाइनमेंट और क्लास वर्क को भी मूल्यांकन के एक भाग के रूप में माना जाना चाहिए। वर्ष का संपूर्ण पाठ्यक्रम सुविधाजनक यूनिट में विभाजित है। इन यूनिट के आधार पर, यूनिट टेस्ट आयोजित किए जाते हैं। इन शिक्षक द्वारा बनाए गए टेस्ट के रिजल्ट प्रोग्रेस कार्ड में दर्ज किए जाते हैं। यूनिट टेस्ट के अलावा, क्वार्टरली एग्जाम, हाफ इयरली और एनुअल एग्जाम आयोजित की जाती हैं। साथ ही ओवरऑल असेसमेंट ग्रेड के रूप में क्युमुलेटिव रिकॉर्ड में दर्ज किया जाना है। उच्च प्राथमिक चरण के अंत में, जिला स्तर पर एक जनरल प्रमोशन एग्जामिनेशन आयोजित की जाती है। जिला शिक्षा अधिकारी सामान्य परीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष हैं और उन्हें सामान्य परीक्षा आयोजित करने और उच्च प्राथमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार है। प्रत्येक छात्र और प्राथमिक स्तर के लिए न्यूनतम उपस्थिति 80 प्रतिशत और माध्यमिक स्तर के लिए 90 प्रतिशत है। अपरिहार्य कारणों से विशेष मामलों में 10 प्रतिशत उपस्थिति माफ करने का अधिकार प्रधानाध्यापक को है। विभिन्न परीक्षाओं में उपस्थिति अनिवार्य है और यदि कुछ छात्र अपरिहार्य कारणों से परीक्षा देने में असफल रहते हैं, तो परीक्षाएं दोबारा ली जाती हैं। यदि छात्र का प्रदर्शन सभी परीक्षाओं और टेस्ट में संतोषजनक है, तो उपस्थिति की आवश्यकता 60 प्रतिशत हो सकती है। कक्षा-5 के अंत में ब्लॉक स्तर (अब मंडल) परीक्षा बहुत पहले समाप्त कर दी गई थी। कक्षा-7 की परीक्षा जो जिला स्तर पर आयोजित की जाती थी, उसे भी कुछ व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण समाप्त कर दिया गया था। केवल कक्षा-10 के अंत में, यानी एसएससी, बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाती है। एसएससी स्तर पर अपनाई गई मूल्यांकन प्रक्रियाएं और भी बदतर हो गई हैं। प्रश्नपत्र लीक होने जैसी धमकियों से बचने के लिए बोर्ड ने बहुत ही जटिल प्रक्रिया अपनाई है। जिला स्तर पर गुणवत्ता नियंत्रण अधिकारी डीईओ को परीक्षा आयोजित करने और मौके पर मूल्यांकन में भाग लेने में अधिक समय देना पड़ता है। दुर्भाग्य से एसएससी परीक्षाओं के परिणाम माध्यमिक विद्यालयों के मानकों का आकलन करने के संकेतक बन गए हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए प्राइवेट स्कूलों से कंपटीशन करने के लिए स्कूली शिक्षा के अधिकारियों ने स्कूलों को लक्ष्य तय कर दिए हैं। नतीजतन, स्कूल लक्ष्य हासिल करने के लिए अनुचित तरीके अपना रहे हैं। मार्च 2024 में जहां एसएससी का पास कार्टेज 91.31प्रतिशत है, वहीं इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष का पास कार्टेज 60.01प्रतिशत है। दसवीं कक्षा में बोर्ड परीक्षा के लिए दिया जाने वाला वेटेज 80प्रतिशत और आंतरिक मूल्यांकन के लिए 20प्रतिशत है। पास मार्क 35प्रतिशत है। यानी अगर कोई छात्र बोर्ड परीक्षा में 28 अंक लाता है तो वह परीक्षा पास हो जाएगा। बोर्ड परीक्षा में छात्र को मिले 28 अंक उसके वास्तविक प्रदर्शन के लिए नहीं जोड़े जा सकते। पता चला है कि परीक्षा केंद्र पर कदाचार रोकने के लिए उठाए गए कड़े कदमों के बावजूद परीक्षा केंद्र पर बड़े पैमाने पर कदाचार के मामले सामने आते हैं। पेपर मूल्यांकन में सब्जेक्टिविटी से इनकार नहीं किया जा सकता।

जल्दीबाजी में पूरा खेल हो जाता है गड़बड़...

विप्रम

हर व्यक्ति अपना काम जल्दी में कर लेना चाहता है। पर वह यह नहीं जानता कि जैसे अन्य बाजियां हैं, ठीक वैसे ही ये जल्दबाजी भी एक बाजी होती है, जिसे शतरंज में 'चाल' कहते हैं। सीधे सरल शब्दों में खेल-करतब कह कर इसको बिसरा दिया जाता है, पर जल्दबाजी कभी छोड़ी नहीं जाती, क्योंकि इसे आदत और फितरत में जोड़ लिया गया है, भले ही किसी को बुरा लगे। छोटे बच्चों से अक्सर सुना जाता है कि माफ कीजिएगा पिताजी, थोड़ी जल्दी में था, इसलिए गलती हो गई। यानी किसी भी भूल-चूक के होने पर अक्सर उसका मूल कारण जल्दी को माना जाता है। अगर जल्दी न की गई होती तो यह अंजाम देखना न पड़ता। मसलन, अगर जल्दबाजी में बच्चे ने परीक्षा दी होती, प्रश्नों के उत्तर में जो लिख दिया, उसे एक बार पढ़ लिया होता तो परीक्षा में और अच्छे नंबर आ जाते। लगता है ये माफी मांगने की प्रवृत्ति हर वैसे विद्यार्थी की होती होगी। मगर क्या किया जाए। ये जल्दबाजी के नतीजे हैं। न जाने कौन-सी जल्दी होती है लोगों कोज या फिर कौन-सी गाड़ी छूट रही होती है। यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि जल्दबाजी और जल्दी, दोनों अलग-अलग हैं। दोनों के बारे में पहले समझना होगा। अगर हम सुबह जल्दी उठते हैं तो दिन भर के काम करने के समय में इजाफा होता है। इसे इस उदाहरण से भी समझा जा सकता है कि जैसे एक व्यक्ति भोर में पांच बजे और दूसरा व्यक्ति सात बजे उठता है। बाद में उठने वाला दो घंटे देर से उठने के कारण अपने निजी काम को जल्दबाजी में निपटाएगा तो कुछ काम अगले दिन के लिए टाल देता होगा या कुछ काम भुला दिए जाते होंगे। जिंदगी की इस भूलभुलैया को जल्दबाजी की परिणति कहेंगे। अगर ये कहें कि जल्दबाजी समाज की एक बड़ी बीमारी है तो कोई अतिशयोक्ति न होगी। जगह-जगह होने वाली छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं आमतौर पर जल्दबाजी के कारण ही होती हैं। भले ही आरोप-प्रतिरोप थोप दिए जाते हों। असलियत आजकल सीसीटीवी कैमरे या फिर पुलिस या यातायात पुलिसकर्मी बताते हैं। थोड़ी-थोड़ी दूरी पर चेतावनी देते बोर्ड दिखते हैं कि 'जल्दी से देर भली, कृपया जल्दबाजी न करें'। सड़क पर जितने भी हादसे होते हैं, उनमें लगभग सभी दिखावे की जल्दबाजी के कारण होते हैं। कभी कोई दूसरों को दिखाने के लिए तेज रफ्तार में गाड़ी चलाता है और हादसे का शिकार हो बैठता है, तो कभी दूसरों के इस तरह सड़क पर बेलगाम रफ्तार की वजह से कोई सही तरीके से वाहन चलाने वाला भी हादसे की चपेट में आ जाता है और जान गंवा बैठता है। यानी नाहक ही जल्दबाजी की रफ्तार की वजह से कोई मारा गया। इससे इतर निजी आदतों की कसौटी पर देखें तो कुछ लोग इतने भुलक्कड़ होते जाते हैं कि कभी-कभी जल्दी में पहनना कुछ और होता है, पर पहन कुछ और लेते हैं। बेमेल पहनावे का पता तब चलता है जब कोई परिचित बताता है। तब सुधार में लाचार जल्दबाजी को कोसा जाता है। आजकल तो शादी-विवाह में फेरों के वक्त तक में विवाह के साक्षी या अतिथिगण जल्दबाजी का आग्रह कर बैठते हैं। इस तरह के संक्षिप्त करने के प्रयासों का हासिल आखिर क्या होगा? जल्दबाजी का अजब मंजर उस समय बड़ा ही चिंतनीय लगता है जब दुख की घड़ी में सगे-संबंधी एकत्रित होते हैं। घर में रोना-धोना चल रहा होता है। बाहर सगे-संबंधी रह-रह कर अपनी घड़ी या मोबाइलों में क्या कुछ टटोल रहे होते हैं, पता नहीं, पर सभी की आंखें शायद किसी खास व्यक्ति के आने की प्रतीक्षा में होती हैं। सब जल्दीबाजी में दिखते तो हैं पर ये दिखाते नहीं। फिर भी जल्दबाजी छिपती नहीं। फुसफुसा कर रह जाती है। हालांकि जल्दबाजी के नुकसान बहुत हैं, पर कुछ फायदों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अगर ये न होता तो सुख-साधनों की खातिर और समय की कीमत पहचानते हुए नए-नए आविष्कार न हुए होते। सबकी वजह इसे कह सकते हैं। इसीलिए बैलगाड़ी से सवारी कर इंसान ने गाड़ी, सुपर-गाड़ी में सफर किया और अब बुलेट ट्रेन भी शुरू होने वाली है। लोगों ने ट्रेन-हवाई जहाज की रफ्तार में इजाफा कर समय की बचत करना भी सीख लिया। ये सब जल्दबाजी का प्रतिफल ही है। हर तरक्की में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष जल्दबाजी का योगदान होता है। तब व्यक्ति विशेष क्यों कर अछूता रहे? जबकि पूरी दुनिया को इसने शिकंजे में रखा है। एक अलग परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो आज के युवकों का नजरिया कुछ भिन्न है। इसके मानिंद ये अति शीघ्रता से अपना लक्ष्य प्राप्त कर लेना चाहते हैं।

कलह की छेद से परेशान 'इंडिया', 18 महीनों में ही बेडगर गठबंधन की नाव

वैसे राजनीति के बारे में तय कुछ भी करना कठिन हो सकता है। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने कहा कि इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए बनाया गया था। वहीं आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी कुछ ऐसी ही बात कही। भारत में गठबंधन की सरकार की बात करना कोई नई नहीं है। लेकिन भाजपा के खिलाफ खासकर मोदी सरकार के खिलाफ जिस तरह से गठबंधन की नाव बन रही है। नाव के नदी में जाने से छेद होती दिख रही है। बहरहाल पहले दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप और कांग्रेस के बीच फूट और अब उद्धव ठाकरे द्वारा अकेले बीएमसी चुनाव लड़ने की घोषणा ने इंडिया गठबंधन में बड़ी दरार पैदा कर दी है। गठबंधन से जुड़े चार प्रमुख नेताओं के क्रियाकलापों ने या तो इसके टूटने के या इसे पूरी तरह खत्म हो जाने के संकेत दिए हैं। वैसे राजनीति के बारे में तय कुछ भी करना कठिन हो सकता है। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने कहा कि इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए बनाया गया था। वहीं आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी कुछ ऐसी ही बात कही। हालांकि, कुछ पार्टियों को अभी भी गठबंधन के भविष्य को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। जुलाई 2023 में बेंगलुरु में उक्त गठबंधन की नीव रखी गई थी, जिसमें 26 पार्टियां गठबंधन में शामिल हुई थीं। लोकसभा चुनाव के दौरान, गठबंधन ने महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार जैसे राज्यों में एनडीए को चुनौती दी गई थी। नतीजतन, भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करने में कामयाब नहीं रही। चुनाव में एनडीए ने 296 सीटें जीतीं, जबकि इंडिया गठबंधन ने 230 सीटें हासिल कीं। गठबंधन ने इसे अपनी जीत माना। हालांकि, लोकसभा चुनाव के ठीक आठ महीने बाद, गठबंधन टूटने की कगार पर पहुंच गया है, बस आधिकारिक घोषणा बाकी है। इस विभाजन के लिए राजनीति के जानकार चार प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। आरजेडी के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी के मुताबिक, हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद गठबंधन में दरार दिखने लगी थी। कांग्रेस ने अपने अड़ियल रवैये के कारण हरियाणा में एक जीतने लायक चुनाव गंवा दिया, जो गठबंधन के प्रति उसके रवैये तक फैल गया। इससे सहयोगी दल सतर्क हो गए और गठबंधन के भीतर नए नेतृत्व की मांग उठने लगी। हरियाणा चुनाव नतीजों के एक दिन बाद अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की। प्रस्तावित 10 सीटों में से दो सीटें कांग्रेस को देने पर सहमति बनी। हालांकि, अखिलेश ने कांग्रेस को सीटें देने से इनकार कर दिया। जबकि, गठबंधन के एक नेता ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस अति आत्मविश्वास में आ गई है। लचीला रुख अपनाने के बजाय वह और सख्त होती गई। यह व्यवहार महाराष्ट्र में भी देखने को मिला। पहले कांग्रेस संसद में मुद्दे उठाने से पहले सहयोगी दलों से सलाह लेती थी। लेकिन शीतकालीन सत्र के दौरान यह प्रथा खत्म हो गई और कांग्रेस के नेता स्वतंत्र रूप से काम करने लगे। सपा, तृणमूल और एनसीपी ने उद्योगपति गौतम अडानी जैसे मुद्दों पर कांग्रेस का खुलकर विरोध किया और पार्टी के रुख का समर्थन करने से इनकार कर दिया। देखा जाए तो कांग्रेस कथित तौर पर अडानी मुद्दे पर अपने सहयोगियों के समर्थन की कमी से परेशान है, जिसे वह एक बड़ी चिंता मानती है। कांग्रेस को लगता है कि एकता की कमी से उसकी छवि खराब हो रही है और बदले में उसने ऐसे सहयोगियों को प्राथमिकता देना बंद कर दिया है जो ऐसे मुद्दों पर मुखर नहीं हैं।

ED:केजरीवाल पर मुकदमा चलाने की मंजूरी, शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गृह मंत्रालय ने दी मंजूरी

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5480

	9	2					7	4
				2	3			5
4								
	6			3	4			7
2		8	7	1	5	4		9
1			6	9			3	
								8
8			5	6				
7	4					3	2	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5479

8	5	1	7	2	9	6	4	3
4	2	3	5	6	8	1	7	9
7	9	6	1	4	3	2	8	5
2	8	7	3	1	5	4	9	6
3	6	9	4	8	7	5	2	1
1	4	5	6	9	2	8	3	7
9	7	2	8	5	6	3	1	4
5	1	8	9	3	4	7	6	2
6	3	4	2	7	1	9	5	8

वर्ग पहेली 5480

1	2		3	■	■	4	5
6		■	7	8			
9		■	10		■		■
	■	11	■	■		12	13
14	15			■	16		
17			■	18	■	19	
■		■	20		21	■	■
22			■	23			

संकेत: बाएं से दाएं

1. हिंदी महासागर में स्थित इस देश ने 17 अक्टूबर 2009 को पानी के अंदर दुनिया की पहली कैबिनेट बैठक कर सभी राष्ट्रों को ग्लोबल वार्मिंग के खतरे से आगाह करने की कोशिश की (4)
4. वे प्रसिद्ध सूर्यवंशी राजा दशरथ की पिता थे (2)
6. मंशि, रख, अदद, संख्या (2)
7. नया जमाना, जागरण प्रकाशन का एक अखबार (5)
9. पुत्र, बेटा, सुत (अंग्रेजी)(2)
10. एक राजनीतिक दल (2)
11. अक्टूबर 1988 का संक्षिप्त नाम (2)
12. शहर, नगर (2)
14. पैरवी करना, वकील होने का भाव (4)
16. माया का स्थान यह कहलाता है (3)
17. रक्षा करना, अनुराग करना या बचाना (3)
19. हस्ताक्षर करना, ग्रहण करना (2)
20. मैथिलीशरण गुप्त की एक प्रसिद्ध कृति (3)
22. यह फिलीपींस देश की राजधानी है (3)
23. दिल्ली की यह इमारत भारत के पांचवें मुगल बादशाह शाहजहां ने बनवाई थी (4)

ऊपर से नीचे

1. पंजाब की सतलुज नदी और असम की ब्रह्मपुत्र नदी इसी झील से निकलती है (6)
2. वे दिन जिनमें विवाह आदि के मुहूर्त निकाले जाते हैं, सहालग (3)
3. मन में उत्पन्न वस्तु (3)
4. भारत के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर (6)
5. इस अभिनेत्री की पहली फिल्म बुद्धा थी (2)
8. मुस्लिम संप्रदाय का एक प्रमुख त्योहार (2)
11. विस्मरण करना, विस्मृत करना (3)
13. तीव्र प्यास की पूर्ति करना, तड़पना (3)
15. जयशंकर प्रसाद का प्रबंध काव्य (4)
15. मरीज, बीमार, जिसे रोग लगा हो (2)
18. परिवार होना, वैवाहिकता, निर्भरता (3)
21. पेंदा, नीचे की सतह (2)

वर्ग पहेली 5479 का हल

ह	र	मो	नि	ट	खु	रा	ना
रि	■	ल	ट	■	दा	ग	ना
द्वा	रा	■	र	आ	ई	■	ना
र	अ	त	■	था	■	ही	■
■	श्या	ए	ना	■	या	ओ	■
यु	न	मा	■	गा	ला	■	अ
आ	■	■	का	ट	न	म	जा
ता	ह	के	द	■	■	अ	न

कवि कुलगुरु कालिदास ने संस्कृत साहित्य को सर्वाधिक समृद्ध किया

कालिदास प्रसंग में नृत्यनाटिका और संस्कृति के विविध रंगों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुई

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। महाकवि कालिदास अपने साहित्य में संपूर्ण मानव जीवन की अवधारणाओं को अभिव्यक्त कर विश्व साहित्य के शिखर पुरुष बने हैं। उनकी तुलना या उनसे किसी अन्य की तुलना नहीं की जा सकती।

यह विचार सांसद सुधीर गुप्ता ने व्यक्त किए। आप कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के तत्वावधान में कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में कालिदास प्रसंग की उद्घाटन विधि को संबोधित कर रहे थे।आपने कहा कि महाकवि ने प्रत्येक रचना संस्कृत भाषा में ही रची है।संस्कृत साहित्य को इतनी समृद्धता किसी अन्य कवि ने प्रदान नहीं की। वास्तव में महाकवि कालिदास साहित्य के ही शिखर नहीं वरन संपूर्ण भारतीय संस्कृति के भी पुरोधा थे। पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि महाकवि कालिदास ने प्रकृति को परमात्मा के रूप में प्रस्तुत करते हुए जीवन के सभी पहलुओं को अपने साहित्य में समाविष्ट किया है। यह मंदसौर क्षेत्र के लिए बहुत ही बड़ी उपलब्धि है कि ऐसे महान कवि का गहरा संबंध मंदसौर से रहा है और उनके इसी संबंध से इस नगर के साहित्य साधकों के मन में यहां कालिदास समारोह के आयोजन की प्रेरणा जागृत हुई और तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी की भावनाओं का सम्मान करते हुए मंदसौर में संस्कृति विभाग के माध्यम से कालिदास समारोह के आयोजन की स्वीकृति दी। विगत 10 वर्षों से कालिदास प्रसंग यहां आयोजित होता है ।श्री सिसोदिया ने इस आयोजन को और अधिक भव्यता देने की आवश्यकता पर भी बल दिया। आरंभ में स्वागत उद्बोधन देते हुए कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के निदेशक डॉ. गोविंद दत्तात्रेय गंधे ने स्वागत उद्बोधन दिया व कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन की गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने संबोधित करते हुए कहा कि मंदसौर मंदसौर क्षेत्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि यहां के साहित्य और सांस्कृतिक स्वरूप को भी प्रकट करती है निश्चित ही यहां साहित्य और संस्कृति के ऐसे स्तरीय आयोजन होने चाहिए।उन्होंने आगामी 30 ओर 31 जनवरी तथा 1 फरवरी को सीतामऊमें होने वाले तीन दिवसीय साहित्य महोत्सव के बारे में भी यहां सभी को अवगत कराया और आह्वान किया कि इस महोत्सव में भी सभी उत्साह से सम्मिलित हों। जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद और वरिष्ठपत्रकार डॉ घनश्याम बटवाल मंचासीन थे। उद्घाटन विधि के पश्चात महाकवि कालिदास द्वारा रचित ऋतु संहार पर आधारित ओडीसी भरतनाट्यम, कथक और मणिपुरी शैली में नृत्य नाटिका का बड़ा ही प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया गया। सुश्री शुभदा वराडकर और उनके दल ने नृत्य नाटिका में बड़ी ही प्रभावी शैली में सभी को मंत्र मुक्त कर दिया। उनके सभी साथी कलाकारों की प्रतिभा को भी सभी ने खूब सराहा। लता मंगेशकर संगीत महाविद्यालय के तबला शिक्षक निशांत शर्मा व सन्नाली शर्मा के ग्रुप द्वारा तबला वादन और सरस्वती के विविध रंगों पर आधारित बहुत ही उत्कृष्टप्रस्तुतियां यहां प्रस्तुत की गई जिन्हें श्रोताओं की खूब दाद मिली। आरंभ में अकादमी के निदेशक डॉ.गंधे ने और कार्यक्रम प्रभारी अनिल कुमार बरोड ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन स्थानीय संयोजक वरिष्ठपत्रकार ब्रजेश जोशी ने और सांस्कृतिक समारोह का संचालन लता मंगेशकर संगीत महाविद्यालय जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार त्रिवेदी ने किया आभार वरिष्ठपत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल ने माना।

नन्हे पर्वतारोहियों ने राष्ट्र स्तरीय एडवेंचर कोर्स के दौरान 6 गोल्ड और 2 ब्रॉन्ज मेडल जीते-अदिति गर्ग

15 दिवसीय राष्ट्र स्तरीय माउंटेनियरिंग एडवेंचर कोर्स पूर्ण कर लौटने पर कलेक्टर ने बच्चों को प्रमाण पत्र देकर व मेडल पहनाकर किया सम्मान

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय स्तरीय माउंटेनियरिंग एडवेंचर कोर्स हिमालय पर्वतारोहण संस्थान दार्जिलिंग भारत सरकार के द्वारा यह कोर्स आयोजित किया गया जिसमें पूरे भारतवर्ष से 70 प्रतिभागी भाग लिया जिसमें मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए मंदसौर जिले 18 छात्र सैनिक (जिला मंदसौर माउंटेनियरिंग संगठन) मध्य प्रदेश, के नेतृत्व में कोर्स पूर्ण कर मंदसौर लौटने पर जिला कलेक्टर श्रीमती अतिथि गर्ग द्वारा आज सभी बच्चों को प्रमाण पत्र एवं बैच लगाकर सम्मान किया आज सभी छात्रों को जिला कलेक्टर कार्यालय में जिला मंदसौर माउंटेनियरिंग संगठन की पदेन अध्यक्ष एवं जिला कलेक्टर श्रीमती अतिथि गर्ग आईएएस ने सभी छात्र-छात्राओं से चर्चा की एवं कोर्स के दौरान की गई गतिविधियों की जानकारी ली उक्त जानकारी लेते हुए मैडम ने बताया कि ट्रैकिंग करना और माउंटेनियरिंग करने से बच्चों में नई ऊर्जा प्राप्त होती है इससे फिजिकल फिटनेस बना रहता है सभी बच्चों को वर्कआउट करना चाहिए और ग्राउंड से जुड़े रहना चाहिए और मैडम ने यह कहा कि मंदसौर नन्हे मुन्ने पर्वतारोही में से पहले माउंट एवरेस्ट पर जाने वाला व्यक्ति जो भी हो इन्हीं बच्चों में से हो जो माउंट एवरेस्ट पर पहुंचे और मंदसौर के साथ-साथ प्रदेश का नाम और देश का नाम रोशन करें। इसके पश्चात श्रीमती अतिथि गर्ग जिला कलेक्टर एवं जिला माउंटेनिंग एसोसिएशन के संरक्षक डॉक्टर क्षितिज पुरोहित द्वारा सभी बच्चों को बैच लगाकर गोल्ड मेडल एवं ब्रॉन्ज मेडल जिन छात्रों ने प्राप्त किया उनका सम्मान किया गया। जिला पर्वतारोहण संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ विजय सिंह पुरावत ने बताया कि कोर्स के दौरान बच्चों को जिसमें रॉक क्लाइंबिंग, रैपलिंग, झुमारिंग, फ्री फॉल, स्लेथरिंग, नोट और हिचस, प्राथमिक चिकित्सा, सीपीआर, का प्रशिक्षण दिया गया इसके बाद 23 दिसंबर को हिमालय पर्वत संस्थान से प्रधानाचार्य कर्नल रजनीश जोशी के नेतृत्व में यह ग्रुप संदकपुर चोटी पर तिरंगा फहराने के लिए निकला यह ग्रुप प्रतिदिन 30 किलोमीटर पैदल यात्रा कर नेपाल देश के इलम जिले में जोबारी और कल्पोखरी गांव में होते हुए यह पश्चिम बंगाल की सबसे उंची बर्फीली चोटी जिसकी हाइट लगभग 12000 फीट से अधिक है जिस पर सभी प्रतिभागियों ने सुबह 7:00 बजे पैदल यात्रा शुरू कर शाम 4:00 बजे सडक को पहुंचकर तिरंगा लहराया यह सभी पर्वतारोही छात्र सैनिक माउंटेनियर एवं ट्रूप कमांडर जितेंद्र कनौजिया, स्काउट अधिकारी ललित परमार के नेतृत्व में यह दार्जिलिंग में तीसरी बार कोर्स संपन्न हुआ है। मंदसौर की इस उपलब्धि पर 5 मध्य प्रदेश एनसीसी बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल ज्योति प्रकाश, विद्यालय प्राचार्य सिस्टर अभया, विद्यालय मैनेजर फादर जॉनसन, जिला मंदसौर माउंटेनियरिंग संगठन केसंरक्षक डॉक्टर क्षितिज पुरोहित, कुलदीप सिंह सिसोदिया, पदेन अध्यक्ष एवं जिला कलेक्टर श्रीमती अतिथि गर्ग, पदेन उपाध्यक्ष एवं अनुविभागीय अधिकारी शिवलाल शाक्य, पदेन उपाध्यक्ष एवं जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवडा, कार्यकारी अध्यक्ष विजय सिंह पुरावत, कार्यकारी उपाध्यक्ष सचिन जैन, विश्व मोहन अग्रवाल, राकेश श्रीवास्तव, सहसचिव जेनिश बरडिया, कोषाध्यक्ष धीरज शुक्ला, माउंटेनियर कृष्णा दास, कृष्णा कनौजिया, सुश्री नेहा शर्मा, सुश्री रिंकू शुक्ला, सुश्री खुशी सिसोदिया, आदि ने बधाई दी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गिरफ्तार अफीम तस्कर युवक रिमाण्ड पर

पिपलियामंडी, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। एक्टिवा से अफीम तस्करी करते पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया, आरोपी को कोर्ट ने एक दिन पुलिस रिमाण्ड पर सौंपा है। जिससे पूछताछ जारी है। जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर नारायणगढ पुलिस ने बादरी फन्टे पर नाकाबंदी कर पिपलियामंडी की ओर से आ रहे एक्टिवा स्कूटर (एमपी 43 जेडबी 1218) को रोका। तलाशी के दौरान आरोपी के जेकेट में एक थैली में भरी 565 ग्राम अफीम बरामद हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पहचान भीखमपुर (खाचरोद) जिला उज्जैन निवासी गोरधन (29) पिता मोहनगिर गोस्वामी होना बताई, आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह उक्त अफीम हसनपालिया (जावरा) के व्यक्ति से लाकर नारायणगढ किसी व्यक्ति को देने जा रहा था। पुलिस ने अफीम व एक्टिवा जब्ती में लेकर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। नारायणगढ टीआई अनिल रघुवंशी ने बताया आरोपी को कोर्ट में पेश करने पर एक दिन 17 जनवरी तक का रिमाण्ड मिला है। आरोपी से पूछताछ जारी है।

आज उपजैल के सामने शिविर लगेगा

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रितेश चावला सीएमओ सुधीर कुमार सिंह राजस्व एवं वित्त समिति सभापति श्रीमती कौशल्या प्रहलाद बंधवार ने बताया कि आज दिनांक 17 जनवरी 2025 शुक्रवार को प्रात: 10:30 बजे से 5:00 तक उपजेल के सामने महू नीमच रोड पर नगर पालिका राजस्व वसूली शिविर लगाया जाएगा इस शिविर में वार्ड क्रमांक 11 व 12 के नागरिकों के लिए राजस्व जमा करने की सुविधा रहेगी आम नागरिकों से नगर पालिका परिषद आग्रह करती है कि वह दिनांक 17 जनवरी को प्रात: 10:30 से 5:00 बजे तक रेलवे स्टेशन रोड पर आकर अपने बकाया संपत्ति कर समेकित कर शिक्षा उपकर नगरीय विकास उपकर एवं स्वच्छता कर की राशि जमा करावे !

प्रधानमंत्री 18 को वर्चुअली स्वामित्व योजना के अधिकार अभिलेख वितरीत करेंगे

नीमच, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी 18 जनवरी 2025 को स्वामित्व योजना के तहत आयोजित केंद्रीय कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए स्वांमित्व योजना के लाभार्थियों से चर्चा करेंगे और इलेक्ट्रोनिक माध्यम से हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख का वितरण करेंगे। इस अवसर पर टाउनहॉल नीमच में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा हैं। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित केंद्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जावेगा।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिला अधिकारियों को जिला स्तरीय कार्यक्रम तैयारियों की समीक्षा की और विभिन्न अधिकारियों को दायित्वि सौपें। कलेक्टर ने कार्यक्रम में आमजनों की अधिकाधिक उपस्थिति एवं सहभागिता का दायित्व जिला पंचायत सीईओ, एस.डी.एम. नीमच, जनपद सी.ई.ओ. नीमच को सौंपा हैं। प्रोटोकाल व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर बैठक व्यवस्था, मंच व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, लोकार्पण व्यवस्था, सीधा प्रसारण के लिए एलईडी की व्यवस्था आदि दायित्व भी अधिकारियों को सौंपे हैं। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को सौपे गये दायित्वों का समय-सीमा में तत्परतापूर्वक निवर्हन कर कार्यक्रम के सफल आयोजन के निर्देश दिए हैं। अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मीं गामड ने बताया, कि जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय कार्यक्रम का वेबकास्ट कराया जावेगा। कार्यक्रम के उपरांत स्वामित्व योजना के अंतर्गत वितरण से शेष पात्र हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख के वितरण की कार्यवाही की जायेगी।जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय कार्यक्रम का वेबकास्ट किया जायेगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम का लाईव वेबकास्ट भी केंद्रीय स्तरीय कार्यक्रम में प्रदर्शित किया जावेगा। कार्यक्रम के उपरांत स्वाममित्व योजना के अंतर्गत वितरण से शेष पात्र हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख के वितरण की कार्यवाही की जायेगी। स्वामित्व योजना अंतर्गत वितरित किए जाने वाले अधिकार अभिलेख भू-लेख पोर्टल पर तहसीलदार लॉगिन में उपलब्ध कराए गऐ है। अधिकार अभिलेखों की प्रतियाँ डाउनलोड कर हितग्राहियों को रंगीन प्रति वितरित करना सुनिश्चित करेंगे। योजनांर्गत 12 मार्च 2024 के उपरांत निराकृत प्रकरणों में पात्र हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। सभी प्रतिभागी 12.30 बजे से प्रधानमंत्री जी का वेबकास्ट देख सकेंगे। इसके लिए व्यवस्था की जावेगी। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद लाभार्थियों को संपत्ति कार्ड का वितरण किया जावेगा।

नारा लेखन प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय मंदसौर में पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय की इको क्लब इकाई द्वारा नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय प्लास्टिक फ्री इंडिया फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट रहा इस प्रतियोगिता में 20 छात्राओं ने सहभागिता की तथा प्रथम स्थान रिया नागर इड्ल प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान अंजलि छोटे लाल, इ.ड्ल. तृतीय वर्ष एवं तृतीय स्थान हेमलता धनगर इ. ड्ल. द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया।

शासकीय कन्या महाविद्यालय मंदसौर के द्वारा इस नारा लेखन प्रतियोगिता में प्लास्टिक फ्री इंडिया फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट के द्वारा भारत में सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल (एसडीपी -14) 14 को केंद्र में रखकर एकल उपयोग प्लास्टिक पर 2022 में बैन लगाया गया था इसी को ध्यान में रखते हुए तथा विद्यार्थियों एवं सामान्य जन नागरिक में जागरूकता लाने हेतु इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।विशेष रूप से, प्लास्टिक के मुद्दे को दर्शाता है क्योंकि इसका उद्देश्य संधारणीय विकास के लिए समुद्री संसाधनों का संरक्षण और संधारणीय उपयोग करना है। इस कार्यक्रम का संचालन इको क्लब प्रभारी सुश्री नौरीन कुरैशी, सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र ने किया तथा कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में डॉक्टर राजश्री ठाकुर, डॉक्टर कविता बुंदेला, डॉ. अखलाक मंसूरी एवं डॉ. सपना ड रहे। इस कार्यक्रम में 30 छात्राएं उपस्थित रही।

रिमाण्ड अवधि समाप्त, तस्करों को भेजा जैल, फरार आरोपी की तलाश जारी

मल्हारगढ़, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। डोडाचूरा तस्करी के मामले में रिमाण्ड पर चल रहे आरोपियों को रिमाण्ड अवधि समाप्त होने पर जेल भेजने के आदेश हुए। मामले में फरार आरोपी रोडसिंह की पुलिस तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार 13 जनवरी को मल्हारगढ पुलिस ने बिना नम्बर की वेगनआर कार से 150 किलो डोडाचूरा बरामद किया था। तस्करी में गिरफ्तार हुए आकली निवासी दशरथ पिता मदनसिंह सौंधिया व दोरवाडी निवासी वीरेन्द्रसिंह पिता कालूसिंह सौंधिया को एनडीपीएस एक्ट कोर्ट ने 16 जनवरी तक पुलिस रिमाण्ड पर सौंपा था। आरोपियों ने डोडाचूरा आरडी निवासी रोडसिंह पिता ईश्वरसिंह सौंधिया से लाना बताया था। पुलिस ने रोडसिंह पर भी केस दर्ज कर लिया था, जो फरार है, आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने दविश भी दी, लेकिन वह नही पकड़ा जा सकता। मल्हारगढ टीआई राजेन्द्र पंवार ने बताया रिमाण्ड अवधि के दौरान आरोपियों से तस्करी में लिप्त अन्य आरोपियों को लेकर पूछताछ की गई। वहीं जब्त बिना नम्बर की वेगनआर कार दिल्ली पासिंग निकली। आरोपियों ने बताया उक्त कार उन्होंने इंदौर निवासी व्यक्ति से खरीदी थी, इसके दस्तवेजों की जांच की जा रही है। अगर कार मालिक शामिल होगा तो उसे भी आरोपी बनाया जाएगा। टीआई पंवार ने बताया रिमाण्ड अवधि समाप्त होने के बाद आरोपियों को गुरुवार को पुन: कोर्ट में पेश किया। जहां से दोनों को जेल भेजने के आदेश हुए।

अधिकारियों, कर्मचारियों ने मांगों का ज्ञापन दिया

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश अधिकारी/कर्मचारी सुयंक्त मोर्चा के प्रान्तीय आव्हान पर मंदसौर जिले में भी श्रीमान मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव एवं अपर मुख्यं सचिव सामान्य प्रशासन विभाग के नाम श्रीमान कलेक्टर मंदसौर अदिति गर्ग एवं श्रीमति एकता जायसवाल ए.डी.एम.को सुयक्त मोर्चा के जिलाध्यक्ष श्री तेजसिंह पंवार के नेतृत्व मे जिले के समस्त मान्यता/गैर मान्यता प्राप्त संगठनों पेंशनर संगठनों के पदाधिकारियों के साथ 300 कर्मचारी/अधिकारी एवं पेंशनरों द्वारा दिया गया। इस अवसर पर प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया गया ज्ञापन देने में राजपत्रित अधिकारी संघ श्री सुरेशचन्द्र पंवार, लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ प्रमोद गौतम, लघु वेतन कर्मचारी संघ चंपालाल चौहान, राजस्व कर्मचारी संघ महेन्द्रसिंह राठौर, भारत पेंशनर समाज अशोक शर्मा, प्रमुख पेंशनर एसो.सतीश नागर, एमपीबी पेंशनर एसो. खूबचन्द्र शर्मा, रिटायर्ड डिप्लोमा इंजीनियर एसो.संघ इंजी.सुनील व्यास, मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस विनोद पाण्डेर, प्रगतिशील रेडियोग्राफर संघ मोहनलाल धनगर, शिक्षक कांग्रेस संघ कमल राठौर, डिपोल्मा इंजीनियर एसो. संघ एस.एल.निनमा, इंजी. जी.पी.नागर, कोटवार संघ गोपाल साहु, वाहन चालक संघ मुकेश टिपन, मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग संघ राहुल शर्मा, पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी संघ डी.के.नागोरे, सुनील वारूने, निखिलेश तुगनावत, संतोष राणावत, एन.के. भटनागर, सुरेश भारती, राजेश शाह, महेन्द्र सिहं ठाकरे, विरेन्सिंह चुण्डावत, स्टेनो देवन्द्रन डांगी, किशोर दशोरा, नवीन व्यास, कैलाश उपाध्याय, रामेश्वर सोलंकी, निरंजन भारद्वाज, जगदीशचन्द्र सोनी, अजय उपाध्याय, विजय मोगरा, पुष्पा जोशी, बृजेश टांकवाल एवं सुशासन भवन परिवार ज्ञापन का वाचन विनोद पाण्डे एवं आभार अशोक कुमार शर्मा द्वारा व्यक्त किया गया। यह जानकारी तेजसिंह पंवार जिलाध्यक्ष द्वारा दी गई।

खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में जीता सिल्वर मेडल

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। 10 से 15 जनवरी तक गुना में आयोजीत सीनियर राज्य स्तरीय हॉकी चैंपियनशिप में मंदसौर उपविजेता रहा यह जानकारी हॉकी मंदसौर के सचिव अविनाश उपाध्याय व अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया ने दी उन्होंने बताया कि पिछली बार के उप विजेता होने के कारण मंदसौर टीम को डायरेक्ट क्वार्टर फाइनल में जगह मिली जहां उन्होंने पहले मैच में गुना को 2-1 से सेमीफाइल में जबलपुर 3-2 से हराया व राज्य स्तरीय चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई जहां उसका मुकाबला स्टारो से सुसज्जित ग्वालियर टीम से था जहां उसे शिकस्त देखना पड़ी मंदसौर की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अदिति महेश्वरी को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का अवार्ड दिया गया इन आई एस खेलो इंडिया कोच वैभव चौरसिया

मंदसौर टीम के कोच के रूप में पूरे समय टीम के साथ में रहे खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर हॉकी मंदसौर के संरक्षक यशपाल सिंह सिसोदिया, विशाल गोयल, त्रिभुवन कविश्वर, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, हॉकी मंदसौर एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया, सचिव अविनाश उपाध्याय, कोच रवि कोपरगांवकर, दिनेश यादव, शैलेंद्र मसीह, खेलो इंडिया एन,आई,एस कोच वैभव चौरसिया, मीत चौहान, मंगल बैरागी, ओमप्रकाश गुर्जर, राजेंद्र सिंह, भरत सिंह, शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार, शासकीय महाविद्यालय दलोदा के खेल अधिकारी अब्दुल रज्जाक, सीनियर खिलाड़ी संजय तोमर, मनोज जैन, अंकित मंडोर, राकेश श्रीवास्तव, भारत देवड़ा, अजय सिंह गौड, कमलेश शर्मा, शैलेंद्र परिहार, पिंटू आर्थर, डॉ हिमांशु यजुर्वेदी दुबेला क्लब के अध्यक्ष श्री विनय दूबेला, अमर क्लब के अध्यक्ष श्री भानु प्रताप सिंह सिसोदिया, आदि ने बधाई दी व उनकी उज्वल भविष्य की कामना की। उक्त जानकारी जिला हॉकी संगठन जनसंपर्क अधिकारी जितेन्द्र कनौजिया ने दी।

बाइक से टकराया रोजड़ा, युवक घायल

पिपलियामंडी, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। बाइक के आगे रोजडा आने से बाइक सवार घायल हो गया, वहीं बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार महू-नीमच हाईवे बही टोल से पहले बाइक के आगे रोजडा टकराने धुधंडका निवासी संदीप पिता जगदीश घायल हो गया। बाइक के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायल को पिपलियामंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया।

सभी सेक्टर मेडिकल आफिसर, पैरामेडिकल स्टाफ एक सप्ताह में अपने मुख्यालय पर ही निवास सुनिश्चित करें-चंद्रा

कलेक्टर ने की मातृ मृत्यु प्रकरणों की समीक्षा, प्रसव से जुड़े मामलों में न हो कोई लापरवाही

नीमच, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के सभी सेक्टर मेडिकल आफीसर एवं शासकीय चिकित्सक अपने निर्धारित मुख्यालय पर ही एक सप्ताह में निवास करना सुनिश्चित करें। यदि कोई मेडिकल आफिसर एक सप्ताह में अपने मुख्यालय पर निवास करना नहीं पाया गया, तो संबंधित का वेतन का आहरण नहीं करें और की गई कार्यवाही से मुख्य चिकित्सा अधिकारी अवगत कराए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने गुरूवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित मातृ मृत्यु प्रकरणों की समीक्षा करते हुए दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने जिले में प्रसव के दौरान मातृ मृत्यु प्रकरणों की एक-एक कर विस्तार से समीक्षा की और परिजनों से चर्चा कर जानकारी ली। बैठक में कलेक्टर ने भरभडिया की एक महिला की लासुर में हुई प्रसुति उपरांत मातृ मृत्यु के प्रकरण की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए, कि तत्कालीन अनुबंधित चिकित्सक डॉ.आदित्य नेहरा द्वारा संबंधित महिला को अटेंड नहीं करने पर चिकित्सक डॉ.आदित्य नेहरा का प्रमाण पत्र निरस्त करने के लिए एमसीआई को प्रस्तोव भिजवाए। कलेक्टर ने लासुर की एएनएम श्रीमती ममता राजावत द्वारा अब तक की गई हाई रिस्क प्रसव की विस्तृत जाँच कर, प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, कि संबंधित एएनएम द्वारा उच्च संस्था में रेफर कितनी प्रसुताओं का प्रसव लासुर में करवाया गया। इसकी विस्तृत जाँच रिर्पोट प्रस्तुत करने के निर्देश मुख्यर चिकित्सा अधिकारी को दिए। कलेक्टर श्री चंद्रा ने माह अप्रेल से दिसम्बर 2024 तक जिले में हुई कुल 10 मातृ मृत्युं में से 8 प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए, कि प्रसव में जुडे मामलों में कोई लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी तथा कठोर कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर श्री चंद्रा ने सीएमएचओ को निर्देश दिए कि जब भी जिला चिकित्सालय में महिला चिकित्सक अवकाश पर हो, तो उसके स्थाई पर अन्य चिकित्सिक की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा इसकी सूचना फील्ड स्तर पर पहुंचाए। समस्त मृत्यु के प्रकरणों की समीक्षा उपरांत विभाग को निर्देशित किया कि प्रत्येक गर्भवती महिला की प्रथम त्रैमास में पंजीयन, सीएचओ द्वारा चार बार जाँच, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिला का पंजीयन तथा संस्थागत प्रसव करवाना सुनिश्चित करें। विभागीय स्टाफ नियत समय पर हास्पीटल में उपस्थित रहे, मशीने क्रियाशील हो तथा लेब से सभी रिर्पोट समय पर मरीजों को उपलब्ध हो। 108 की क्रियाशीलता की समीक्षा कर निर्देशित किया, कि एम्बुलेंस की उपलब्धता में अनावश्यक विलंब ना हो। प्रसूता को मेडिकल आफिसर द्वारा ही उच्च संस्था में रैफर किया जावे। बैठक में 100 दिवसीय निक्षय अभियान एवं 70 से अधिक उम्र के वृद्धजन के आयुष्मान कार्ड अभियान प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, मुख्य चिकित्सक अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद, सिविल सर्जन डॉ.महेन्द्र पाटील, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.के.खद्योत, सभी बीएमओ, शासकीय चिकित्सक, डीसीएम श्री चंद्रपाल सिह राठौर, सेक्टर मेडिकल आफिसर आदि उपस्थित थे।

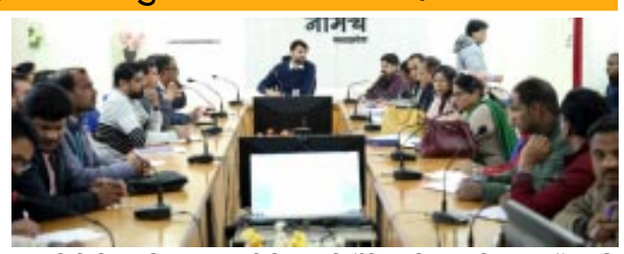

बंसल ने एक और गरीब महिला का किया अंतिम संस्कार

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला चिकित्सालय में भर्ती श्रीमती लक्ष्मीबाई मांगीलाल प्रजापति उम्र 62 साल जिनकी गुरुवार को सुबह मृत्यु हो गई। उनके दो बेटे भारत और दिलीप जो मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं दो दिन पहले ही उन्हें भर्ती कराया गया था। सुबह तड़के उनका देहांत हो गया। जिला चिकित्सालय के चौकी प्रभारी नासिर भाई ने पार्षद और समाजसेवी सुनील बंसल को फोन किया कि गरीब महिला जो खानपुरा में वर्तमान में निवास करती है उसकी मृत्यु हो चुकी है दोनों बेटे इस स्थिति में नहीं थे कि उनकी माताजी का अंतिम संस्कार कर सके। इनका अंतिम संस्कार करना है। जैसे ही श्री बंसल को फोन आया उन्होंने अंतिम क्रिया के सभी समान एवं अन्नक्षेत्र न्यास कमेटी का शव वाहन लेकर जिला चिकित्सालय में पहुंचकर वहां पर दोनों बेटे के माध्यम से उनका गाजे बाजे के साथ शिवना स्थित मुक्तिधाम पर लाकर उन्हें हिंदू रीति रिवाज के अनुसार दोनों बेटों के साथ मिलकर बंसल ने मुखाग्नि दी क्योंकि दोनों बेटे बीमार थे मानसिक रूप से पहले जनकुपुरा क्षेत्र में ही रहते थे उनके दोनों बेटे छोटा-मोटा कोई काम कर कर अपना जीवन यापन करते हैं। उनकी मातुश्री भी मेहनत मजदूरी करके अपना पेट पालती थी। श्री बंसल ने प्रभु से प्रार्थना की है कि मृत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं उनके दोनों बेटे हैं उन्हें मानसिक रूप से स्वस्थ करें ताकि उन्हें दुनियादारी की समझ आ सके।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	58	2300	2900
उडद	22	5200	5590
सोयाबीन	3025	3600	4335
गैहु	778	2901	3230
चना	32	5500	6390
मसुर	19	5501	5991
धनिया	59	5700	7390
लहसुन	10000	9000	22000
मैथी	114	4251	5440
मुंगफली	655	4100	4900
अलसी	420	5699	6962
सरसो	225	5200	5725
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	50	8050	12600
प्याज	7500	550	1750
कलोंजी	1	18061	18061
तुलसी बीज	1	15122	15122
डॉलर	10	5700	10700
तिल्ली	14	8500	10900
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	0000	0000	0000
असालीया	10	9600	12090
चियाबीज	24	14000	16770

बदहाल पवित्र शिवना

मंदसौर की शिवना नदी की स्थिति किसी से छिपी हुई नहीं हैं. नदी के कायाकल्प के लिये करोडो रूपये फूंक दिए गये। लेकिन, नतीजा सिफर हैं। अब स्थिति यह हो गई हैं की मछलियां पानी में आक्सीजन की मात्रा कम हो जाने से मर रही हैं। शिवना नदी के समीप से गुजरने वाले लोग बदबू से परेशान हो रहे हैं। लेकिन, जिम्मेदार लोगों क़ो अब तक समझ नहीं आ रही हैं कि शिवना नदी की सफाई तो कर दे। किन्तु किसी क़ो काम करना नहीं हैं। जनता ने वोट दे दिया, बन गए नेता। अब साफ सफाई करने का क्या काम। अभी भी समय हैं, जनप्रतिनिधियों को दलगत राजनीती से उप्पर उठकर शिवना मैया के सुव्यवस्थित शुद्धिकरण के प्रयास करने चाहिए।

प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता का सम्मान ही मेरी प्राथमिकता-दीक्षित

डिप्टी सीएम देवड़ा, सांसद गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष अटोलिया, विधायक डंग, सिसोदिया, पूर्व विधायक सिसोदिया, चावला आदि ने दी शुभकामना

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी जिला मंदसौर के नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने आज मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवडा, सांसद सुधीर गुप्ता, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, विधायकगण हरदीपसिंह डंग, चंदरसिंह सिसौदिया, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया, कैलाश चावला, राधेश्याम पाटीदार, प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजकगण मदनलाल राठौर, बाबुलाल चौहान, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत, सुषमा आर्य, मुकेश काला, पिछडा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, भाजपा वरिष्ठनेता राजेन्द्र सुराणा, मानसिंह माछौपुरीया, कारूलाल सोनी, निहालचन्द्र मालवीय, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रदेश सह संयोजक प्रितेश चावला सहित सैकडो पदाधिकारी एंव कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण केपूर्व नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कार्यकर्ताओं के साथ भगवान पशुपतिनाथ जी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। तत्पश्चात जिला भाजपा कार्यालय पर पहुंच कर पूजा अर्चना कर पदभार ग्रहण किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवडा ने कहा की भारतीय जनता पार्टी ही एक मात्र ऐसा राजनीतिक दल है जिसमें पद प्राप्त करने की कोशिश अनेक पदाधिकारी स्वच्छ मन से करते है और किसी एक पदाधिकारी की नियुक्ति उस पद पर हो जाती है तो सारे दावेदार पदाधिकारी प्रसन्नचित होकर नियुक्त पदाधिकारी को बधाई देकर सम्मान करते है और आज जिला भाजपा कार्यालय मंदसौर पर यही दृश्य मुझे दिखाई दे रहा है। पार्टी में कोई छोटा बडा नहीं होता है, पार्टी में व्यवस्था परिवर्तन होती रहती है। पूर्व जिलाध्यक्ष के रूप में नानालाल अटोलिया ने बेहतर से बेहतर कार्य किया है, मैं नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित से आग्रह करूंगा कि कार्यकर्ता का भाव लेकर वे सब को साथ लेकर भारतीय जनता पार्टी को मंदसौर जिले में और अधिक उंचाइयों पर ले जायेगें। हमारी पार्टी में यदि किसी छोटे कार्यकर्ताओं को भी जिलाध्यक्ष जैसे बडे पदों पर आसीन कर दिया जाता है तो भी पार्टी का प्रत्येक जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उसका आदेश का पालन संगठन हित में निरंतर करता रहता है। नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कार्यकर्ताओं

को संबोधित करते हुए कहा की मेरे लिये अत्यंत गर्व की बात है की मुझ जैसे कार्यकर्ता को भारतीय जनता पार्टी ने संगठन के सर्वोच्च पद जिलाध्यक्ष के रूप में चुना है। मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूँ हम 164 शक्ति केन्द्रों के साथ सभी मंडल अध्यक्षों के सहयोग से पार्टी को और अधिक मजबूती प्रदान करेगें। हमारा फोकस कमजोर बूथों पर रहेगा हम आप सभी के सहयोग से इन हारे हुए बूथों को आने वाले चुनाव में विजयी होने वाले बूथों की सूची में इन्द्राज करेगें। मेने भगवान पशुपतिनाथ और बालाजी महाराज के चरणों में शीश झुका कर संकल्प लिया है की पार्टी की मजबूती के लिये आप सभी के साथ दिन-रात एक कर देगें और छोटे से छोटे कार्यकर्ता का सम्मान बरकरार रखेंगे एंव हमारा ध्येय राष्ट्र प्रथम सदैव प्रथम रहेगा ऐसे संकल्प के साथ कार्य करेगें। पूर्व मंत्री कैलाश चावला ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमें राजेश दीक्षित के रूप में एक नया ऊर्जावान अध्यक्ष मिला है जिसके नेतृत्व में हम सभी को कार्य करना है। में इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया को सुपर अध्यक्ष की संज्ञा देते हुए उनके आग्रह करूंगा कि आप कुछ माह तक राजेश दीक्षित का सहयोग करें और श्री दीक्षित भी अब मंदसौर जिला मुख्यालय पर अधिक से अधिक समय देगें ऐसा मेरा विश्वास है। पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि संगठन पर्व अंतर्गत हमने बूथ अध्यक्ष से लेकर मंडल अध्यक्ष और अब जिलाध्यक्ष का सफर अनुशासन के साथ पूर्ण कर लिया है। जिलाध्यक्ष के रूप में हमें ऐसे व्यक्तित्व मिला है जो लम्बे समय से संगठन के विभिन्न पदों पर कार्य कर संगठन को मजबूत कर चुका है। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा की भाजपा ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करते हुए संगठन पर्व अंतर्गत बिना किसी विवाद झगडे के हमने भाजपा जिलाध्यक्ष के रूप में राजेश दीक्षित का चयन करने में सफलता प्राप्त की है। आगे की चयन प्रक्रीया के अंतर्गत भी हम नवीन प्रदेश अध्यक्ष और नवीन राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन कर लेगें और यह सब भारतीय जनता पार्टी में ही संभव है। विधायक हरदीप सिंह डंग ने संबोधित करते हुए कहा की संगठन पर्व अंतर्गत बूथ स्तर से लेकर जिलाध्यक्ष तक की नियुक्ति बिना किसी विवाद के सम्पन्न हो चुकि है। यह प्रक्रीया कांग्रेस पार्टी में इतनी आसानी और अनुशासन से होना सम्भव नही है। इस अवसर पर विधायक चंदर सिंह सिसोदिया ने संबोधित करते हुए कहा की आज हमें राजेश दीक्षित के रूप में नया जिलाध्यक्ष संगठन पर्व अंतर्गत मिला है। मुझे पूर्ण विश्वास है की हम सब पदाधिकारी कार्यकर्ता राजेश दीक्षित के निर्देशानुसार संगठन के कार्यों कों पूर्ण करते रहेगें।

कार्यक्रम के शुभारंभ में अतिथिगणों द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय एंव डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात नानालाल अटोलिया ने अपने साथी पदाधिकारियों के साथ नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित सहीत मंचस्थ अतिथि गणों का स्वागत साफा बांधकर और शॉल भेंट कर किया। पदभार ग्रहण समारोह में भाजपा स्थाई आमंत्रित सदस्य गण पारस मावर, नरेश चंदवानी, जितेन्द्र सिंह चौहान, भोपाल सिंह सिसोदिया, जिला पदाधिकारीगण राजेश सेठिया, संजय मुरडिया, राजेश नामदेव, राजेश पालीवाल, शिवराजसिंह राणा, नारायण सिंह झाला, राजु चावला, राजकुमार गुप्ता, नरेंद्र पाटीदार, सुनीता पालीवाल, कृष्णपाल सिंह शक्तावत, अंकित सोनी, राहुल मुजावदिया, निलेश जैन, विनय धनगर, मोर्चा जिलाध्यक्ष गण निर्मला गुप्ता, रणजीत सिंह चौहान, अशोक सूर्यवंशी, सुनिल पटेल, मंडल अध्यक्ष गण उमेश पाटीदार, आदित्य मंगरोलिया, गोकुलसिंह चौहान, नीलकमल मेहता, दिलीप सिंह तरनोद, जुझार सिंह गुर्जर, धनसुख पाटीदार, जितेन्द्र बामनिया, महेंद्र सिंह गौड, राजेश धाकड, भेरूलाल सेन, राकेश पाटीदार, आशीष विजयवर्गीय, विकास सुराणा, गोपाल पाटीदार, नेपाल सिंह, अरविंद सारस्वत, विनोद डगवार सहित कई सैकडों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

आर्दश ग्राम पिपलिया कराड़िया की चौपाल पर बैठक संपन्न

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन के अनुसार आर्दश ग्राम की कार्य योजना पर जन अभियान परिषद विकास खण्ड ,जिला मंदसौर से चयनित नवाकुवंर संस्था प्रियदर्शन सामाजिक संस्था द्वारा आदर्श ग्राम पिपलिया कराडिया में 16 जनवरी गुरूवार स्थान प्राथमिक स्कूल में आदर्श ग्राम हेतु बैठक आयोजित की गई बैठक में ग्राम पंचायत सरपंच सचिव सहायक, सचिव ,शिकक्ष उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन दिनेश सौलंकी द्वारा किया गया सभी का परिचय करवाया गया। आदर्श ग्राम की रूपरेखा से अवगत करवाया गया उसके बाद सौलंकी द्वारा आदर्श ग्राम में संस्कार केंद्र, वाचनालय, नशा मुक्ति, विवाद मुक्त होना चाहिए किसानों से जैविक कृषि पर विस्तार से चर्चा की गई जैविकृषि करने के लिए किसानो को प्रेरित किया गया। ग्राम के मुख्य बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। वृक्षारोपण, प्रस्फुटन वाटिका, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कार केंद्र, पलिथीन मुक्त आदि विषय पर बताया गया जिसमें ग्रामीण जनों की सहमति से संस्कार केंद्र प्रत्येक सप्ताह रविवार को लगाया जाएगा स्वच्छता की जिम्मेदारी प्रस्फुटन समिति के श्री कुलदीप सिंह द्वारा ली गई।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह 25 को

नीमच, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी 2025 का जिला स्तरीय समारोह, जिला पंचायत नीमच के सभागृह में आयोजित किया जा रहा है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीमच ने सभी जिला कार्यालय प्रमुखों से अधीनस्थ स्टॉफ सहित 25 जनवरी 2025 को प्रात: 10.30 बजे जिला पंचायत, नीमच के सभागृह में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए है।

26 को शुष्क दिवस घोषित

नीमच, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्ट र श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा म.प्र.आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 62 की उपधारा(1) एवं (2) के खण्ड (एच) द्वारा प्रदत्तन के तहत 26 जनवरी 2025 (गणतंत्र दिवस) को नीमच जिले की समस्तव कंपोजिट मदिरा दुकाने, एफएल-6 थौक सैनिक कैंटीन, एफ.एल.-7 फुटकर सैनिक कैंटीन तथा एफ.एल.-2 रेस्तमरा, बार पर मदिरा का विक्रय पूर्णत: प्रतिबंधित करने का आदेश जारी किया गया हैं।

व्याख्यान माला एवं स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

मनासा, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनासा में दिनांक 15 जनवरी 2025 को व्याख्यान माला व स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। स्कूल प्राचार्य श्रीमती साधना सोनी मैडम द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

व्याख्यान माला में डा. राजेश जी पाटीदार रामचंद्र विश्वनाथ महाविद्यालय कॉलेज की प्रोफेसर श्रीमती आशा पटेल डॉ. स्मिता रावत मैडम व सुरेश पाटीदार ने उद्बोधन दिऐं उन्होंने छात्राओं को भावी शिक्षा एवं जीवन जीने की कला से संबंधित उद्बोधन दिए। इस अवसर पर सुरेश पाटीदार द्वारा हस्तलिखित हिंदी और अंग्रेजी ग्रामर की पुस्तक तथा हितेश जी जोशी द्वारा लिखी गई पुस्तक 'मैं शब्द तुम साहित्य नामक पुस्तक भेंट की गई। स्वास्थ्य परीक्षण डॉक्टर शैलेंद्र जी पाटीदार व उनकी टीम के तीन सदस्यों ने छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के उच्च माध्यमिक शिक्षक हितेश जोशी द्वारा किया गया।

सभी लोग टीबी की जांच जरूर करवाएं-देवड़ा

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा निक्षय मित्र बनकर उन्होंने फुट बास्केट भी प्रदान किया। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान जिले में चलाया जा रहे हैं। जिसमें भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 तक भारत को क्षय रोग मुक्त किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री देवडा ने सभी जनप्रतिनिधि और जनता से अपील की आप सभी टीबी की जांच जरूर करवाएं। साथ ही आप सभी निक्षय मित्र भी बने।

निक्षय मित्र कैसे बने-निक्षय मित्र बनने के लिए निक्षय मित्र का नाम, मोबाईल नंबर, ई-मेल आई.डी. एवं पता की आवश्यकता होती है। निक्षय मित्र बनने के लिए https://community support.nikshay.in) लिंक पर जाकर संबंधित जानकारी दर्ज कर नि-क्षय मित्र बना जा सकता है। या मोबाइल नंबर +91 9425108553 पर संपर्क भी कर सकते हैं।

संयुक्त उठावना

हमारे लघु भ्राता व स्व. रमेश, महेश, डॉक्टर अरुण, अनिल, सुनील, स्व. गोपाल (कन्नौद) के काकाजी एवं संजय (गोटू), गोपाल के पूज्य पिताजी व यश व रचित के दादाजी तथा ओमप्रकाश, मधुसूदन के कंवर साहब एवं महेश, हीरालाल, गोपालकृष्ण, अजित के फुफाजी व राघव पलोड के बडे फुफाजी श्री रामस्वरूप जी मूंदड़ा का देहांत बुधवार हो गया है जिनका संयुक्त उठावना शुक्रवार, दिनाँक 17 .01. 25 को दोपहर 2.30 बजे माहेश्वरी मांगलिक भवन अजय टॉकीज के सामने पिपलियामंडी पर रखा गया है।

***** शोकाकुल *****
सोहनलाल, जानकीलाल, रामकिशन मूंदड़ा एवं समस्त मूंदड़ा परिवार, पिपलियामंडी जिला मंदसौर मप्र
***फर्म - मूंदड़ा नमकीन भंडार, पिपलियामंडी तथा ओमप्रकाश, मधुसुदन पलोड एवं परिवार पडदा, मनासा, मंदसौर, उज्जैन**

कोर्ट जा रही पत्नी को पीटा, पति सहित 4 पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कोर्ट के लिए जा रही पत्नी के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों पर केस दर्ज किया। मुलतानपुरा, हाल मुकाम मल्हारगढ निवासी रुबीना ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि पति घरेलू बातों पर आए दिन झगड़ा कर मारपीट करता था, इसी कारण बेटे-बेटी को लेकर में पीहर मल्हारगढ रह रही हूं, मैंने पति के खिलाफ नारायणगढ कोर्ट में केस लगाया है, इसी कारण मैं पेशी पर नारायणगढ गई थी, इसी दौरान पति रफीक के साथ ही अन्य रिश्तेदार जावरा निवासी फरीद, सलमान सोएल चारों ने गाली-गलौज कर मारपीट की, जिससे हाथ फेक्चर हो गया। पुलिस ने चारों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

उप मुख्यमंत्री ने धुंधड़का सामूहिक विवाह सम्मेलन में वर-वधु को आशीर्वाद दिया

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत धुंधडका सामूहिक विवाह सम्मेलन में 51 जोड़ा का सामाजिक रीति रिवाज व हिंदू परंपरा के अनुसार विवाह हुआ। उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा ने सम्मेलन में भाग लिया और वर-वधु को आशीर्वाद दिया। सभी नवयुगल को आशीर्वाद प्रदान कर सुखी वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सभी 51 जोडों को 5 हजार रुपए उपहार राशि देने एवं सामुदायिक भवन निर्माण की बात कही।

इस दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, सरपंच धुंधडका श्री लोकपाल सिंह सिसोदिया, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन एवं पत्रकार मौजूद थे। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने कहा

कि शासन द्वारा हर वर्ग के लोगों की चिंता कर उनके जीवन को संवारने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर माता पिता का सपना होता है कि उनकी बेटी का विवाह बिना किसी चिंता के हो सके। कई ऐसे माता पिता होते हैं जो पैसे के अभाव में बेटी का विवाह संपन्न कराने में अनेकों परेशानी से सामना करते हैं। ऐसे लोगों के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना वरदान साबित हो रही है। उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने कहा कि आप सभी का जीवन खुशहाल और सुखमय हो, जीवन में सदैव उन्नति प्रगति की ओर अग्रसर रहें। आपका जीवन सदैव सुखमय रहे। की उम्मीदों को लेकर आता है नई उम्मीद और उमंग के साथ जीवन व्यतीत करने के साथ ही संस्कारी जीवन जीये।

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन एवं जिला न्यायाधीश/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री सिद्धार्थ तिवारी ने राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर शासकीय आईटीआई महाविद्यालय, नयाखेड़ा, मंदसौर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव जिला प्राधिकरण ने बताया कि वर्ष 2022 से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय

स्टार्टअप दिवस का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को स्टार्टअप के क्षेत्र में प्रोत्साहित करना है। उन्होंने एलन मस्क और जैक मा जैसे प्रसिद्ध उद्यमियों के उदाहरण देकर यह समझाया कि नए विचारों और नवाचार के माध्यम से व्यक्ति असीम उंचाइयों को छू सकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार खोजने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर में संविदा आधार पर ऑफिस असिस्टेंट, रिसेप्शनिस्ट कम डाटा एंट्री ऑपरेटर, एवं पियून की भर्ती के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जागरूक किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य श्री मुकेश मौर्य, प्राध्यापकगण एवं बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धुंधड़का में एक्स-रे मशीन का शुभारंभ किया

मंदसौर, 16 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धुंधडका में एक्स-रे मशीन का शुभारंभ किया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धुंधडका में एक्स-रे मशीन के प्राप्त होने से अब आसपास के लोगों को एक्स-रे मशीन की सुविधा प्राप्त होगी। आसपास के गांव वालों को मंदसौर नहीं जाना पडेगा, उनको धुंधडका अस्पताल में ही एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध होगी। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, सरपंच धुंधडका श्री लोकपाल सिंह सिसोदिया, बीएमओ श्री जैन, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं पत्रकार मौजूद थे।

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट
कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com
क्रमांक 91/2025 दिनांक 16.01.2025

***** जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा भागीरथ पिता भंवरलाल, जाति-गुर्जर, निवासी ग्राम मोरखेडा, तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर से आवासीय भूमि सर्वे क्रमांक 216, प्लाट न. 182, पटवारी हल्का नं. 00092, पर दर्ज होकर, पता-ग्राम-मोरखेड़ा तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व: त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्र. एम 15आईजीआर 17872025ए100023012, दिनांक 13.01.2025 से मेरे पक्षकार रेशमबाई पति भागीरथ, जाति-गुर्जर, निवासी ग्राम मोरखेडा, तहसील सीतामऊ जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय सीतामऊ में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है:-

पूर्व में-इदरलाल पिता भंवरलाल का मकान, पश्चिम में-मानसिंह पिता नानालाल का मकान, उत्तर में-रास्ता, दक्षिण में-पप्पुसिंह मोतीलाल का मकान, पैमाईश रकबा 860 वर्ग फीट एवं 80 वर्ग मीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है. यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

जन-जन के लाड़ले, वरिष्ठ भाजपा नेता

हार्दिक शुभकामनाएं हार्दिक शुभकामनाएं हार्दिक शुभकामनाएं हार्दिक शुभकामनाएं

श्री राजेश दीक्षित

को भाजपा जिलाध्यक्ष बनने पर

हार्दिक शुभकामनाएं

***** बधाईकर्ता *****

प्रहलाद शर्मा

अध्यक्ष, गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज बड़ी होली शहर एवं मित्र मण्डल, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in